

पाठ - सोने का हिरण

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य सामान्य	अधिगम उद्देश्य विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: दंडक वन में दस वर्ष पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्टसंख्या-7 अ/१ विषय वस्तु- :- सोने का हिरण उपविषय वस्तु :- अ)जागरूकता आ) कर्तव्यपरायणता इ)नैतिक मूल्यों का विकास पाठ्येतर विषय वस्तु *सूची निर्माण *विश्लेषण क्षमता *चर्चा *सामूहिक चर्चा *संवाद विधा	विद्यार्थी :- अ१)मायावी हिरण की चाल से परिचित हो सकेंगे । अ२)श्री राम की भांति कर्तव्य पालन में सजग हो समस्या सुलझाने में सक्षम हो सकेंगे । आ१)लक्ष्मण के प्रति कृतज्ञता के भाव से पोषित हो सकेंगे । आ२)महापुरुषों के गुणों से परिचित हो सकेंगे । इ) जटायु के आदर्शवादी व्यवहार से अवगत हो सकेंगे ।	विद्यार्थी :- अ१) राम , लक्ष्मण और सीता पर कलात्मक प्रस्तुति तैयार कर सकेंगे । अ२)श्री राम की कर्तव्य निष्ठता पर कक्षा में चर्चा कर सकेंगे । आ१) लक्ष्मण के गुणों को कलमबद्ध कर सकेंगे । आ२))महापुरुषों के प्रति सम्मान का भाव दर्शाते हुए कविता या अनुच्छेद लिख सकेंगे । इ) जटायु के गुणों को अपने व्यक्तित्व में आत्मसात कर सकेंगे।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- मौखिक अभिव्यक्ति करने से सम्बंधित ।

और प्रगति

कक्षा :- छह

माह- सितम्बर

अध्यापिका की गतिविधि	छात्राओं की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- (परिशिष्टसंख्या :-7 अ/१) काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि (परिशिष्टसंख्या :-7 अ/२) अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी उचित विराम चिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश की व्याख्या का प्रयास करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के अर्थ को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्टसंख्या :-7 अ / 3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र परिशिष्टसंख्या :-7 अ / 4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे :- (परिशिष्टसंख्या :-7 आ/१) काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे। (परिशिष्टसंख्या :7 आ/२) विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे । विद्यार्थी निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे । विद्यार्थी पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्टसंख्या :-7 आ / 3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे।परिशिष्टसंख्या7 आ/ 4	पाठ पढ़ने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र 1 कार्यपत्र ,क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठन विधि,२.उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४.व्याख्या विधि ५.व्यास

अंत:विषय सम्बन्ध :ऐतिहासिक ज्ञान , प्रकृति ज्ञान , कला ज्ञान तथा कर्तव्य बोध ।

विद्यालयीय भवन :- विद्यालय के पुस्तकालय से श्री राम कथा का पठन करेंगे ।

विभागाध्यक्ष समन्वयक उपप्रधानाचार्य प्रधानाचार्य

कक्षा -छह कक्षा -छह (हिंदी पूरक पुस्तक बाल रामकथा)

कक्षा -छह (हिंदी पूरक पुस्तक बाल रामकथा)

पाठ 7 - सोने का हिरण

परिशिष्टसंख्या:-7

पूर्व ज्ञान से संबंधित प्रश्न -परिशिष्टसंख्या 7 अ/-1

संभावित उत्तर

प्र.1- विन्ध्याचल पार करने वाले पहले ऋषि कौन थे ?

अगस्त्य ऋषि ।

प्र.2- जटायु कौन था ?

एक विशालकाय गिद्ध

प्र.3 राम की कुटी के समीप मारीच ने क्या किया ?

सोने के हिरण का रूप धारण किया ।

प्र.4- अकम्पन कौन था ?

खरदूषण की सेना का एक राक्षस था ।

कथन:- आइए इस पाठ "सोने का हिरण" को पढ़ कर जानते हैं कि रावण ने किस प्रकार सीता का हरण किया ।

काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या -7 अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह पाठ के एक निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी।

क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्टसंख्या -7अ/3

*कक्षा के विद्यार्थियों को चार - चार के समूहों में विभाजित किया जाएगा ।

* प्रत्येक समूह को संकट आने पर अपना बचाव कैसे करना चाहिए इस विषय पर चिन्तन मनन कर अपने विचार लिखकर मौखिक रूप से व्यक्त करने को कहा जाएगा । यही प्रक्रिया हर समूह के साथ दोहराई जाएगी ।

मूल्यांकन के मानदंड :

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक - १०
१	विषय की प्रस्तुति	३
२	प्रभावोत्पादकता	३
३	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	२
४	कार्य की पूर्णता	१
५	समयबद्धता	१

*अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी । अभ्यास हेतु कार्यपत्र परिशिष्ट संख्या 7 आ

कार्यपत्र

पाठ: सोने का हिरण

विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : नवीन रचना

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. पाठ पढ़ने और गतिविधि करने के बाद विचार कीजिए कि लालच करने वाले का जी क्यों नहीं भरता होगा ? इस दिशा में अपने विचार उदाहरण सहित लिखिए ।

प्रश्न.2. इस गतिविधि को करने के बाद अपना कोई ऐसा अनुभव लिखिए जब आप लालच के कारण किसी मुश्किल में पड़े हों ।
